भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 684
20.11.2019 को उत्तर देने के लिए

डाटा संग्रहण तथा विश्लेषण

684. श्री राजेन्द्र अग्रवाल:

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार दक्ष डाटा संग्रहण तथा विश्लेषण के लिए समूचे देश में सृजित रोजगार के आंकड़ों को स्व-रोजगार क्षेत्र के, निजी क्षेत्र के रोजगार तथा सरकारी क्षेत्र के रोजगार को उनके अलग-अलग प्रारूप में डाटा का संग्रहण कर रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार अवसंरचना परियोजनाओं में निवेश के जरिए रोजगार प्राप्त, ईपीएफओ में बढ़ रहे पंजीकरण, आदि का डाटा भी संग्रहीत कर रही है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) [रॉव इंद्रजीत सिंह]

(क) और (ख): सरकार ने 2017-18 के दौरान आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) नामक एक नया नियमित रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षण शुरू किया, जिसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में श्रम बाजार के विभिन्न संकेतकों के तिमाही परिवर्तनों का आकलन करने के साथ-साथ ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के लिए इन संकेतकों के वार्षिक अनुमानों को तैयार करना भी है।

पीएलएफएस की वार्षिक रिपोर्ट (जुलाई, 2017-जून, 2018) के आधार पर, अखिल भारत स्तर पर कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) सामान्य स्थिति में 34.7 प्रतिशत था।

रोजगार में श्रमिकों की स्थिति के अनुसार उनका प्रतिशत वितरण (अर्थात स्व-नियोजित, नियमित दिहाड़ी मजदूर/वेतनभोगी कर्मचारी और नैमित्तिक श्रमिक) निम्नानुसार हैं :

	रोजगार की स्थिति		
	स्व-रोजगार प्राप्त	नियमित दिहाड़ी मजदूर/वेतन भोगी	नैमित्तिक श्रमिक
सामान्य स्थिति में कामगारों का प्रतिशत वितरण	52.2	22.8	24.9

इसके अतरिक्त, फसलों की पैदावार, बागवानी बाजार, उद्यानकृषि तथा अखिल भारत स्तर पर पशुपालन में समामेलित फसलों की पैदावार को छोड़कर गैर-कृषि क्षेत्र और कृषि क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के उद्यमों में सामान्य स्थिति में श्रमिकों का प्रतिशत वितरण निम्नानुसार है:

उद्यम का प्रकार	सामान्य स्थिति में कामगारों का प्रतिशत वितरण
स्वामित्व और साझेदारी	68.4
सरकारी/स्थानीय निकाय/सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम	12.6
स्वायत्त निकाय	0.3
सार्वजनिक/प्राइवेट लिमिटेड कंपनी	9.1
सहकारी समितियाँ	0.4
ट्रस्ट/अन्य गैर-लाभकारी संस्था	0.9
नियोक्ता का परिवार	1.9
अन्य	6.4
कुल	100

(ग) और (घ): अप्रैल 2018 से, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय तीन प्रमुख योजनाओं नामत: कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना, कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) योजना और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के तहत अंशदान देने वाले नियोक्ताओं की सूचना का उपयोग करते हुए सितंबर 2017 की अवधि के बाद से औपचारिक क्षेत्र में रोजगार से संबंधित आँकड़े प्रकाशित कर रहा है ।

इन योजनाओं में सितंबर, 2017 से अगस्त, 2019 के दौरान शामिल हुए नए अंशदाताओं की संख्या निम्नानुसार है:

योजनाएं	**नए अंशदाताओं की संख्या**
कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ)	2,75,99,241
कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई)	2,97,50,339
राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)	15,10,475

*****